सवालों के जरिए गंगा को जान सकेंगे छात्र

नवभारत टाइम्स, फरीदाबाद, दिनांक 30.04.2020

भारत सरकार अपने नमामि गंगे प्रोजेक्ट में छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए एक ऑनलाइन क्विज कॉम्पिटिशन शुरू करने जा रही है। लॉकडाउन में छात्रों की प्रतिभा को परखने के लिए जल संसाधन, नदी विकास एंव गंगा संरक्षण विभाग ने इकी प्लानिंग की है, जिसमें सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के छात्र हिस्सा ले सकेंगे। वहीं सीबीएसई ने इस बारे में अपने स्कूलों को आदेश जारी कर विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा है।

इस क्विज कॉम्पिटिशन का आयोजन ट्री क्रेज फाउडेशन के साथ मिलकर किया जाएगा। इस अभियान से बच्चे–युवा जुड़े और जागरूक हो इसी उद्देश्य से स्कूलों को साथ जोड़ने की योजना बनाई गई है। इस बाबत जिले के स्कूल भी विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रेरित कर रहे है।

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छात्रों को 22 मई तक अपनी प्रविष्ट भेजनी होगी। वही विजेताओं के नामों की घोषणा विश्व पर्यावरण दिवस यानी पांच जून को की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 10 साल से उपर की उम्र होनी चाहिए।

प्रतियोगिता में कुल 10 सवाल पूछे जाएंगे, जो गंगा के इतिहास, भूगोल प्रसिद्ध जगह, स्वच्छता में सहयोग देने वाले प्रसिद्ध लोग, प्राकृतिक दृष्टि से महत्व आदि से जुड़े होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सीबीएसई या जल संसाधन के पोर्टल पर दिए गए लिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद एक आईडी के साथ लिंक पर पंजीकरण करना होगा। आईडी के तौर पर आधार कार्ड, स्कूल का आईकार्ड, पासपोर्ट या जन्म प्रमाण पत्र प्रयोग किया जा सकता है। स्कूली छात्रों को स्कूल का नाम अनिवार्य रूप से सही लिखना होगा। इसके बिना आवेदन रद्द कर दिया जाएगा।

सभी को मिलेंगा प्रमाण पत्रः प्रतियोगिता में बेहतर 100 विजेताओं को प्रमाण पत्र और उपहार मिलेंगे। वहीं टॉप 3 विद्यार्थियों के नाम पोर्टल पर दिखेंगे। इसके अलावा क्विज में भाग लेने के बाद अंत में विद्यार्थियों को उनका प्रर्दशन भी देखेने को मिलेगा। सभी प्रतिभागियों को तुरंत भागीदारी प्रमाण पत्र भी ऑनलाइन दे दिया जाएगा।